Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 4908

PAPER – III

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

अरब संस्कृति एवं इस्लामिक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage carefully and answer all the five questions in 30 words each.

Kings, rulers and nobles vied with one another to set up public libraries and to patronize learning. Add al-Dawlah (ruled 977-983) set up a public library in Shiraz. It was very well organized with a director, assistant director and inspector. It also had a well - maintained catalogue of books. Similar libraries soon sprang up in Basra, Rayy, Karkh and other cities of the Islamic world. In Egypt, the Fatimid rulers set up a chain of educational institutions and public libraries. One of them had the reputation of being the largest in the Islamic world. It had a vast collection of books on the various sciences, which were stored in forty large rooms. The library had twelve hundred copies of Ibn Jarir al Tabari's celebrated work on history. In 1004, the Fatimid Caliph al-Hakim built an academy in Cairo, which was known as Dar al-Hikmah. The library, which was attached to the academy, had over a million books. It had a reading room as well as rooms for lectures and meetings. The Fatimid Vizier Yaqub ibn Killis founded an academy with an attached library. The vizier used to spend a thousand dinars a month on the maintenance of the library.

निचे दिये गये परिच्छेद को गौर से पढ़िये और दिये गये सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर 30 शब्दों में दिजिये।

बादशाह, शासक और उच्चपदस्थ लोग इल्म का संरक्षण और जन पुस्तकालयों की स्थापना में हमेशा एक दूसरे से स्पर्धा करते थे। अज़दुद-दौला (शासन 977-983) ने शीराज़ में एक जन-पुस्तकालय स्थापित किया। इस पुस्तकालय का प्रबन्ध बहुत अच्छा था, इसकी देखभाल के लिये एक निदेशक, सहायक निदेशक और निरीक्षक की नियुक्ति की गई थी। इसमें अच्छी तरह तरतीब दिया हुआ किताबों का एक कैटेलाग भी था। इसी तरह एक पुस्तकालय बसरा, रय, कर्ख़ और इस्लामी दुनिया के दूसरे नगरों में भी स्थापित किये गये। फ़ातिमी शासकों ने मिस्र में कई शिक्षण संस्थायें और पुस्तकालय स्थापित किये, उनमें से एक पुस्तकालय को मुस्लिम दुनिया का सबसे बड़ा पुस्तकालय होने की ख्याति प्राप्त है। इस पुस्तकालय में भिन्न-भिन्न उलूम पर अनगिनत पुस्तकें मौजूद थीं, जो चालीस बड़े-बड़े कमरों में रखी हुई थीं। इसमें इब्न जरीर तबरी की इतिहास पर किताब की 1200 कापियाँ थी। 1004 ई. में फ़ातिमी ख़लीफ़ा अलहाकिम ने क़ाहिरा में एक अकादमी की स्थापना की थी जो दारुल हिकमाह के नाम से प्रसिद्ध थी। इस अकादमी से सम्बन्धित पुस्तकालय में दस लाख किताबें थी, इसमें पढ़ाई, लेक्चर और मीटिंग के लिये अलग-अलग कक्ष थे। फ़ातिमी वज़ीर याकूब इब्न किल्लिस ने भी एक अकादमी स्थापित की थी जिसमें एक पुस्तकालय सम्बद्ध था। यह वज़ीर इस पुस्तकालय के रख-रखाव पर एक हज़ार दीनार प्रतिमाह खर्च करता था।

1. Why did the Kings and rulers of Islamic world vie with one another ?
इस्लामी दुनिया के बादशाह और शासक एक दूसरे से क्यों स्पर्धा करते थे ?

2. What was the administrative set up of Add al-Dawla's library ?
अज़दुद दौला द्वारा स्थापित पुस्तकालय का प्रशासन कैसा था ?

3. To whom goes the credit of establishing the largest library of the Islamic world ?

इस्लामी दुनिया का सबसे बड़ा पुस्तकालय स्थापित करने का श्रेय किस को जाता है?

4. What was the special feature of Dar al-Hikmah ?

दारुल हिकमाह की मुख्य विशेषताएँ क्या थी?

5. What is the contribution of Yaqub ibn Killis towards cultivating reading habit among Muslims ?
मुसलमानों में पढ़ने की आदत पैदा करने में याक़ूब इब्न किल्लिस का क्या योगदान है?

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. Name the important battles of Pre-Islamic Arabia.
इस्लाम के आगमन से पूर्व अरबों की प्रमुख जंगों के नाम बताइये।

7. What do you know about 'the year of the elephant' ?

आमुलफील से आप क्या समझते है?

8. Write about Hazrat <u>K</u>hadijah.

हज़रत ख़दीजा के बारे में आप क्या जानते है?

9. Write about the battle of Trench.

जंगें – ख़न्दक के बारे में लिखिये।

10. Name the basic teachings of Islam.

इसलाम की मौलिक शिक्षाओं के बारे में बताइये।

11. Enumerate the major achievements of Caliph Umar.

खलीफ़ा उमर बिन अल-खत्ताब की मुख्य उपलब्धियों का विवरण दीजिये।

12. Mention briefly, your acquaintance with the Umayyad Mosque of Damascus.

दमिश्क़ की उमवी मस्ज़ीद के बारे में आप क्या जानते है?

13. Give two important reasons for the decline of Umayyad Caliphate.

उमवीयों के पतन के दो महत्वपूर्ण कारण बताइये।

14. Define 'Ijtihād'.

'इजतिहाद' को परिभाषित कीजिये।

15. Name three important poets of Abbasid period.

अब्बासी काल के तीन महत्वपूर्ण कवियों के नाम बताइये।

16. Name the important collections of Hadith.

हदीस के मुख्य संग्रहों का नाम बताइये।

17. Who were the Safavids and where did they rule ?

सफवी कौन थे और उन्होंने कहाँ हुकूमत की ?

18. Define the term 'Khilāfat'.

खिलाफ़त से आप क्या समझते है ?

19. Describe the achievements of Imām Khomeini.

इमाम खुमैनी की उपलब्धियाँ बताइये।

20. Give your acquaintance with Battle of Qadisiyah.

जंग - क़ादिसीया पर प्रकाश डालिये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

Elective - I / विकल्प – I
(Islamic Studies) / (इस्लामी अध्ययन)

21. Write an essay on the Deoband movement.
देवबन्द तहरीक पर निबन्ध लिखिये।

22. Give a detailed account of Jamat-e-Islami movement in India.
भारत में जमात-ए-इस्लामी तहरीक पर विस्तार से लिखिये।

23. Write a critical note on the life and works of Ali Shariat.
अली शरयती के जीवन और कार्यों पर आलोचनात्मक लेख लिखिये।

24. Give an account of the impact of the Islamic revolution of Iran on its society.
इस्लामी क्रान्ति का इरानी समाज पर क्या प्रभाव पड़ा विस्तार से लिखिये।

25. Write a critical note on political development in modern Turkey.
आधुनिक तर्की के राजनीतिक विकास पर टिप्पणी कीजिये।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II
(Arab Culture) / (अरब संस्कृति)

21. Discuss the impact of Western Civilization on the Arabs.
पाश्चात्य संस्कृति का अरबों पर क्या प्रभाव पड़ा? वर्णन कीजिये।

22. Give an account of the image of India as depicted in the writings of Arab Travellers.
अरबी सफ़रनामों में भारत की छवि का उल्लेख कीजिये।

23. Write a note on Contemporary India Arab relations.
वर्तमान काल में भारत-अरब सम्बन्धों का वर्णन कीजिये।

24. Describe India's relation with Kuwait.
भारत-कुवैत सम्बन्धों का उल्लेख कीजिये।

25. Comment on the Indian Govt. Policy on Iraq War.
इराक़ जंग के प्रति भारत सरकार की नीति पर टिप्पणी कीजिये।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Give an account of Shah Wali - Allah as a socio-religious reformer.
सामाजिक एवं धार्मिक सुधारक के रूप में शाह वलीउल्लाह के योगदान पर विस्तार से लिखिये।

OR / अथवा

Discuss the development of Art and Architecture under the Abbasids.
अब्बासी शासन काल में कला एवं वास्तुकला के क्षेत्र में उन्नति के बारे में विस्तार से लिखिये।

OR / अथवा

Write an essay on the contribution of Ibn Khaldun or Ashraf Ali Thanvi.
इबने खलदन या अशरफ़ अली थानवी के योगदान पर एक निबन्ध लिखिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....